तंबाकू नियंत्रण पर WHO की रिपोर्ट

प्रिलिम्स के लिये:

[विश्व स्वास्थ्य संगठन](), [ई-सिगरेट](), [राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम](), [इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अध्यादेश, 2019 का प्रख्यापन](), [नेशनल टोबैको क्वेटिलाइन सर्विसेज़ (NTQLS)]()

मेन्स के लिये:

भारत में तंबाकू की खपत की स्थिति

चर्चा में क्यों?

[विश्व स्वास्थ्य संगठन]() **(World Health Organisation- WHO)** ने हाल ही में [तंबाकू]() **नियंत्रण उपायों** पर एक व्यापक रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट **एमपॉवर उपायों** (तंबाकू के उपयोग तथा स्वास्थ्य पर इसके हानिकारक प्रभावों से निपटान हेतु **WHO द्वारा विकसित रणनीतियों का एक समूह**) की शुरूआत के बाद से विश्व स्तर पर हुई प्रगति का मूल्यांकन करती है।

एमपॉवर उपाय (MPOWER Measures):

- वर्ष 2008 में WHO ने **एमपॉवर (MPOWER)-** एक ऐसी योजना जिसमें छह सबसे महत्त्वपूर्ण एवं प्रभावी तंबाकू नियंत्रण विधियाँ शामिल थीं, की स्थापना की। छह एमपॉवर रणनीतियों में शामिल हैं:
  - **M: तंबाकू के उपयोग और रोकथाम नीतियों की निगरानी करना (Monitor)**
  - **P: लोगों को तंबाकू के धुएँ से बचाना (Protect)**
  - **O: धूम्रपान छोड़ने के लिये सहायता प्रदान करना (Offer)**
  - **W: तंबाकू के खतरों के बारे में चेतावनी देना (Warn)**
  - **E: तंबाकू के विज्ञापन, प्रचार और प्रायोजन पर प्रतिबंध लगाना (Enforce)**
  - **R: तंबाकू पर कर बढ़ाना (Raise)**

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु:

- **वैश्विक तंबाकू नियंत्रण प्रगति:**
  - पूरे विश्व में [धूम्रपान]() **का प्रचलन वर्ष 2007 में 22.8% से घटकर वर्ष 2021 में 17% रह गया है,** जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में धूम्रपान करने वाले लोगों की संख्या में 300 मिलियन की कमी आई है।
  - **WHO के MPOWER/एमपॉवर उपायों** ने विगत 15 वर्षों में तंबाकू नियंत्रण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, अर्थात् WHO ने इस उपाय से **कम से कम 5.6 बिलियन लोगों (वैश्विक आबादी का 71%) की रक्षा की है।**
  - **कम से कम एक एमपॉवर उपाय लागू करने वाले देशों की संख्या वर्ष 2008 में 44 से बढ़कर वर्ष 2022 में 151 हो गई है,** जबकि चार देशों - **ब्राज़ील, तुर्किये, नीदरलैंड और मॉरीशस** ने सभी उपायों को सफलतापूर्वक लागू किया है।
- **चुनौतियों का समाधान:**
  - यह रिपोर्ट उन चुनौतियों पर भी प्रकाश डालती है जिन्हें अधिक प्रभावी तंबाकू नियंत्रण के लिये संबोधित करने की आवश्यकता है।
  - **विश्व में 44 देश अभी भी कोई एमपॉवर उपाय लागू नहीं करते हैं, जबकि 53 देशों की स्वास्थ्य सुविधाओं में धूम्रपान पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है।**
    - इसके अतिरिक्त, **केवल कुछ देश ही धूम्रपान-मुक्त कार्यस्थलों** और **रेस्टोरेंट्स** पर इन उपायों को लागू करते हैं।
  - WHO, [ई-सिगरेट]() **के खतरों पर भी प्रकाश** डालता है, क्योंकि **तंबाकू उद्योग द्वारा** हानिकारक विकल्प के रूप में **ई-सिगरेट का सक्रिय प्रचार प्रगति को कमज़ोर करता है।**

        - ई-सिगरेट, उपयोगकर्त्ता और उसके आस-पास के लोग दोनों के लिये जोखिम उत्पन्न करती है, मूलतः आंतरिक वातावरण (indoor environments) में।
- **सेकेंड-हैंड स्मोकिंग:**
    - प्रतिवर्ष अनुमानित **8.7 मिलियन मौतें तंबाकू से संबंधित हैं, जबकि इसमें से 1.3 मिलियन मौतें गैर-धूम्रपान करने वालों से संबंधित हैं, जो कि सेकेंड-हैंड/अप्रत्यक्ष स्मोकिंग के संपर्क में आने से प्रभावित हुए हैं।**
    - हृदय रोग के कारण होने वाली लगभग **400,000 मौतों का कारण सेकेंड-हैंड स्मोकिंग** है। इसके अलावा निष्क्रिय धूम्रपान **बच्चों पर प्रतिकूल प्रभाव** डालता है, जिससे गंभीर अस्थमा, श्वसन पथ में संक्रमण और **अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम (Sudden infant death syndrome- SIDS)** की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
        - **20 वर्ष से कम उम्र के लगभग 51,000 बच्चों और किशोरों की मौत** सेकेंड हैंड स्मोकिंग के संपर्क में आने से होती है।
- **तंबाकू नियंत्रण को लेकर भारत की प्रगति:**
    - **भारत तंबाकू उत्पादों पर स्वास्थ्य चेतावनी लेबल लागू करने** और तंबाकू की लत को रोकने हेतु उपचार प्रदान करने में उत्कृष्ट है।
    - **भारत में लगभग 85% सिगरेट पैकों पर आगे और पीछे दोनों तरफ स्वास्थ्य चेतावनियाँ** लिखी होती हैं, जो चेतावनी लेबल आकार के मामले में **देश को शीर्ष 10 में** रखता है।
    - भारत ने **ई-सिगरेट की बिक्री पर भी प्रतिबंध** लगाने के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध लगा दिया है।
    - बंगलूरू में सैकड़ों प्रवर्तन अभियानों, **'नो स्मोकिंग' साइन डिस्प्ले**, धूम्रपान और सेकेंड-हैंड स्मोकिंग के धुएँ से उत्पन्न खतरों के बारे में व्यापक जागरूकता अभियानों के परिणामस्वरूप तंबाकू नियंत्रण में महत्त्वपूर्ण प्रगति देखी गई है।
        - शहर द्वारा किये गए प्रयासों से **सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान में 27% की सराहनीय कमी** देखी गई है।

भारत में तंबाकू उपभोग/खपत की स्थिति:

- **परिचय:**
    - **ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे इंडिया, 2016-17 के अनुसार**, भारत में लगभग **267 मिलियन वयस्क (15 वर्ष और उससे अधिक- सभी वयस्कों का 29%)** तंबाकू का उपभोग करते हैं।
    - **धुआँ रहित तंबाकू** भारत में तंबाकू के उपयोग का सबसे प्रचलित रूप है।
    - यह भारत में कई बीमारियों और मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है और प्रत्येक वर्ष इससे लगभग **1.35 मिलियन लोगों की मौत** होती है। भारत, **तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक भी है।**
- **सरकारी पहलें:**
    - राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम
    - इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अध्यादेश, 2019 का प्रख्यापन
    - **सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद** (विज्ञापन का निषेध और व्यापार एवं वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति तथा वितरण का विनियमन)**संशोधन नियम, 2023**
    - नेशनल टोबैको क्विटलाइन सर्विसेज़
    - भारत के केंद्रीय वित्त मंत्री ने वर्ष 2023-24 के बजट में **सिगरेट पर राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क** (National Calamity Contingent Duty- NCCD) **में 16% की वृद्धि की घोषणा की**।
    - भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने **स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार की स्ट्रीमिंग से पूर्व तंबाकू से संबंधित स्वास्थ्य चेतावनियों को प्रदर्शित** करना अनिवार्य करने के लिये **ओवर-द-टॉप (OTT) प्लेटफॉर्मों हेतु नए नियमों** की घोषणा की है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/who-report-on-tobacco-control